भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 14

उत्तर देने की तारीख 21 जुलाई, 2025

सोमवार,30 आषाढ़ 1947(शक)

लक्षद्वीप में कौशल भारत कार्यक्रम

14. श्री हमदुल्ला सईदः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कौशल भारत कार्यक्रम की, विशेषकर संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप में वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक प्रशिक्षित व्यक्तियों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों को, विशेषकर लक्षद्वीप में, लाभकारी रोजगार सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय किए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना 'कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी)' को जारी रखने और पुनर्गठन के लिए मंजूरी दे दी है। इसमें तीन घटक शामिल हैं: (i) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0), (ii) प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएम-एनएपीएस), और (iii) जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना। दिनांक 30.06.2025 तक संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप में कौशल भारत कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित/नियोजित उम्मीदवारों की संख्या 4,297 है।

(ख) और (ग) पीएमकेवीवाई 4.0 में एसआईपी के तहत, हमारे प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से उन्मुख किया गया है। हालाँकि, रोजगार के अवसरों के संवर्धन के लिए, कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को एकीकृत करने हेतु स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का विवरण संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए एसआईडीएच प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। ऑन-जॉब-ट्रेनिंग (ओजेटी) को पीएमकेवीवाई का एक अंतर्निहित

घटक बनाया गया है। प्रतिष्ठानों/नियोक्ताओं और अभ्यर्थियों के बीच सक्रिय संवाद सुनिश्चित करने के लिए, देश भर में रोज़गार मेले और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले (पीएमएनएएम) आयोजित किए जाते हैं। जेएसएस के अंतर्गत, अभ्यर्थियों को उद्यमशीलता और आजीविका संवर्धन हेतु उन्मुख करने हेतु आजीविका प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

******